बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – जनवरी, २००३)

(समय : सुबह ९:०० से १२:००)	सत्संग प्रवीण - १	कुल प्राप्तांक : १००

(विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना)

प्रश्न.१. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन तीन प्रमाण दीजिए। (६ गुण)

१. भगवान में मनुष्यभाव नहीं देखना।

२. मोक्ष के लिए प्रगट भगवान या प्रगट संत ।

३. परब्रह्म पुरुषोत्तम की इच्छा के बिना सूखा पत्ता भी नहीं हिलता।

४. परब्रह्म की तत्त्व सहित पहचान।

प्रश्न.२. प्रमाण, सिद्धांत अथवा कडी पर से विषय का शीर्षक दीजिए । (५ गुण)

उदाहरण - भगवान को जो निराकार समझे, वह तो महापाप से ज्यादा बड़ा पाप है। इस पाप का कोई प्रायश्चित्त नहीं। (उत्तर : निराकर समझने से घाटा ।)

१. दिव्य चैतन्य अक्षर जिसका है घर जो,
क्षर अक्षर से वह तो पर छे जो . . .

२. स्वामिनारायण नाम सर्वोपरि है, जिस में तीर्थमात्र आ जाते हैं ।

३. अक्षर सर्व के दृष्टा है, सर्व के साथी है ।

४. ब्रह्मने जाणे ते ब्रह्मरूप थाय छे ।

५. जिस प्रकार धाम की मूर्ति गुणातीत है, उसी प्रकार मनुष्यमूर्ति भी गुणातीत है ।

प्रश्न.३. निम्नलिखित विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । (४ गुण)

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिये जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. निर्विघ्न भक्ति के लिए ।

(अ) निजात्मानं ब्रह्मरूपम्..... इस आज्ञा का पालन करे तो कारण देह का नाश हो जाता है ।

(ब) अक्षररूप होकर श्री पुरुषोत्तमनारायण की सेवा करना वह ही मुक्ति है ।

(क) इन्द्र और चंद्रादिक को एसी स्थिति नहीं थी तो कलंक लग गया ।

(ड) एसे साधु को ब्रह्मरूप जानकर मन-कर्म-वचन से उनका संग करता है वह ब्रह्मरूप होते हैं ।

२. अक्षरब्रह्म एक और अद्वितीय ।

(अ) अक्षर एसा है और एसा वह अक्षर संबंधी सुख है ।

(ब) छो तो एक ने दिसो छो दोय, तेनो मर्म जाणे जन कोय ।

(क) सर्व अक्षरब्रह्म संज्ञा को प्राप्त किए हुए अनंत कोटि मुक्तों से भगवान के धामरूप जो अक्षरब्रह्म है वह अनादि है ।

(ड) ब्रह्म से परब्रह्म जो पुरुषोत्तमनारायण है वह अलग है और यह ब्रह्म के भी कारण है तथा आधार है और प्रेरक है ।

प्रश्न.४. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं एक विकल्प का वर्णन करके उसका सिद्धांत लिखें। (४ गुण)

१. भाई आत्मानंद स्वामी को प्राप्त हुई सर्वोपरि निष्ठा ।

२. प्रत्यक्ष मूर्ति द्वारा स्वरूपानंद स्वामी को मिली हुई शांति ।

३. ये तो सर्वज्ञ है, सर्वदक्ष है और धनवंतर वैद्य है ।

४. महामुक्त से भी अधिक सामर्थ्य अक्षरब्रह्म का है ।

प्रश्न.५. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं <u>दो</u> विकल्प के बारे में विवरण कीजिए। (८ गुण)

१. उत्पत्ति सर्ग ।

२. श्रीजीमहाराज सर्वोपरि - 'स्वामी की बाते' के आधार पर ।

३. श्रीजीमहाराज को अपने साकार स्वरूप में दृढ प्रतीति ।

४. अक्षर और पुरुषोत्तम के बीच समानता ।

प्रश्न.६. **निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं <u>दो</u> विकल्प के बारे में कारण लिखें। (बारह पंक्ति में) (८ गुण)**

१. भगवान को काल, कर्म, माया और स्वभाव जैसे नहीं जानना ।

२. भगवान की मूर्ति के अपार सुख के लिए उपासना श्रेष्ठ साधना है ।

३. भगवान में अगर मनुष्यभाव हो तो कल्याण नहीं होता ।

४. शास्त्रीजी महाराज कहते थे, ''हम तो अक्षरपुरुषोत्तम के बैल है ।''

प्रश्न.७. उपासना में क्या समझना ? और क्या न समझना ? उसके आधार से निम्न विधानों की पूर्ति कीजिए । (८ गुण)

(उपासना में क्या समझना ?)

१. श्रीजीमहाराज सदाय ..... निर्गुण कर देते हैं ।

२. दूसरे अवतार ..... स्पष्ट भेद है ।

३. मुक्ति अवस्था में जीवात्मा ..... सर्वोपरि भाव तो रहता ही है ।

४. सगुण स्वरूप और निर्गुण स्वरूप ..... बहुत सूक्ष्म है।

५. अक्षरब्रह्म साधर्म्य ..... अंत में भी रहता है ।

(उपासना में क्या न समझना ?)

१. आज्ञा पालन ..... सकता है, एसा नहीं समझना ।

२. भगवान पृथ्वी पर ..... नहीं होता, यह नहीं समझना ।

३. वचनादिमृतादि सत्शास्त्र का ..... हो सकता है, एसा नहीं समझना ।

प्रश्न.८. परम भागवत संत दीक्षा देने के लिए और प्रतिमाओं की प्रतिष्ठा करने के लिए सर्वथा योग्य है । (५ गुण)

(विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग-३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज)

प्रश्न.९. निम्नलिखित विधानों में से किन्हीं <u>दो</u> विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । (६ गुण)

१. ''कणबी के लडके और कूकडे भूखे नहीं रहते ।''

२. ''आपकी आज्ञा का पालन नहीं किया, इसलिए आप विमुख करोगे तो मैं हो जाऊँगा।'' (स.वा.भा. ३)

३. ''आपको कैसे पता चला ?'' (युगविभूति)

४. ''स्वामीश्री के जीवन को आपत्ति मे डाल रहे हो ।'' (युगविभूति)

प्रश्न.१०. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं <u>दो</u> विकल्प के बारे में कारण लिखें। (६ गुण)

१. वडोदरा में सत्संग का बहुत विकास हुआ । अथवा (स.वा.भा. ३)

१. पर्वतभाई जो भी मनोरथ किया करते थे वे सत्य होते जाते थे। (स.वा.भा. ३)

२. रढु के रतनसिंह का चमडी का रोग कुछ ही दिनों में अच्छा हो गया । (युगविभूति) अथवा

२. गणेश की खुशी आसमान को छूती थी । (युगविभूति)

प्रश्न.११. निम्नलिखित विषय पर मुद्दासर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (८ गुण)

१. मुक्तानंद स्वामी संतों की माँ के समान । (स.वा.भा. ३)

<u>अथवा</u>

१. शिवलाल सेठ की संयमी दृष्टि । (स.वा.भा. ३)

२. दूसरे के उत्कर्ष में हमारा उत्कर्ष है । (युगविभूति)

<u>अथवा</u>

२. दलुभाई मदारी के यहाँ स्वामीश्री । (युगविभूति)

प्रश्न.१२. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए। **(६ गुण)**

१. शिवलाल सेठ को श्रीजीमहाराज ने सपने में क्या आज्ञा की थी ? (स.वा.भा. ३)
२. कुशलकुंवरबा के पति और पुत्र के नाम क्या थे ? (स.वा.भा. ३)
३. वैष्णव लोगों ने रघुवीरजी महाराज को क्या बिनंती की ? (स.वा.भा. ३)
४. आश्चर्य चकित मंगल क्या याद करने लगा ? (युगविभूति)
५. प्रमुखस्वामी महाराज ने दातून की फाँक किस गाँव में कौनसे प्रसंग में ले ली ? (युगविभूति)
६. आप भविष्य बोलो । भविष्य कैसा है ? (युगविभूति)

प्रश्न.१३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । **(६ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिये जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. निष्कुलानंद स्वामी की साहित्य रचनाएँ। (स.वा.भा. ३)
(अ) भक्तिनिधि ।
(ब) निर्णय पंचक ।
(क) स्नेह गीता ।
(ड) भागवत दशम भाषा टीका ।
२. आचार्य रघुवीरजी महाराज (स.वा.भा. ३)
(अ) बिमार संतों को जिमाया ।
(ब) उसके हाथमें से पेंडा गिर गया ।
(क) उसकी इच्छा से अच्छी बारिश होते ही गोमती तालाब भर गया ।
(ड) गुणातीतानंद स्वामी को सवाल किया, ''अक्षर कौन ?''
३. प्रमुखस्वामी का समर्पणभाव । (युगविभूति)
(अ) स्वामीश्री आनंद के मूड में रहते हैं ।
(ब) सेवक के द्वारा भगवान को अर्पण किया हुआ पानी स्वामीश्री पी गए ।
(क) ठाकुरजी की मर्यादा का पालन होना चाहिए ।
(ड) तू पानी ला और मैं झाडू लगा दूँ ।

(विभाग-३ : निबंध)

प्रश्न.१४. निम्नलिखित में से किसी भी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए । **(२० गुण)**

१. भविष्य की पेढी के घडवैया - प्रमुखस्वामी महाराज ।
२. हिन्दू संस्कृति का पोषक और संवर्धक - अक्षरधाम ।
३. वचनामृत - अद्वितीय धर्मशास्त्र ।

नोंध : इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशतः) प्रश्न दिनांक १६ फरवरी, २००३ के दिन आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाए हैं ।

❋ ❋ ❋

<u>'सत्संग प्रवीण' परीक्षा के अभ्यासक्रम में महत्त्व का परिवर्तन</u>

सत्संग प्रवीण ' प्रश्नपत्र - १' के विभाग-२ में से' प्रेरणामूर्ति प्रमुखस्वामी महाराज ' - लेखक - मुकुलभाई कलार्थी - पुस्तक को फरवरी २००३ और जुलाई २००३ के लिए एवं उसके बाद लिए जानेवाली समस्त परीक्षा में से निकाल दिया गया है । उसके बदले में निम्नलिखित पुस्तक का अभ्यासक्रम में समावेश किया जाता है ।

पुस्तक का नाम : युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज
लेखक : साधु अक्षरवत्सलदास
प्रकाशक : स्वामिनारायण अक्षरपीठ
तृतीय आवृत्ति : जुलाई २०००

नोंध : परीक्षार्थियों की संख्या के अनुसार यह पुस्तक ' स्वामिनारायण अक्षरपीठ', अहमदाबाद से ओर्डर देकर मँगवा सकते हैं ।

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था

सत्संग शिक्षण परीक्षा (पूर्व कसौटी – जनवरी, २००३)

(समय : दोपहर २:०० से ५:००) **सत्संग प्रवीण - २** **कुल प्राप्तांक : १००**

(विभाग - १ : किशोर सत्संग प्रवीण)

प्रश्न.१. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''आपके सानिध्य में रिद्धि-सिद्धि की हाज़री होती है न !''
२. ''आप कौन है ? कहाँ से आते हो और कहाँ जाना है ?''
३. ''मेरा बिछौना खिंचा जाता है ।''
४. ''महाराज की आज्ञा के मुताबिक करेंगे ।''

प्रश्न.२. निम्नलिखित विकल्पों में से किन्हीं <u>दो</u> विकल्प के प्रसंग को कारण सहित समजाइए। (बारह पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. वचनामृत के सिवा दूसरे में आसक्ति रहे, यह मोह है ।
२. श्रीजीमहाराज गढडा के जीवाखाचर को धाम में ले गए ।
३. सोमला खाचर ने खोखरा में साधुओं को मार डाला ।
४. भगवान को खुश रखने का सरल उपाय है आज्ञा ।

प्रश्न.३. निम्नलिखित विषय पर मुद्दानुसार टिप्पणी लिखें। (बारह पंक्तियों में) **(८ गुण)**

१. स्वयंप्रकाशानंद ।

<u>अथवा</u>

१. तीर्थों से संलग्न भारतीय संस्कृति का इतिहास ।
२. उपास्य स्वरूप पुरुषोत्तमनारायण की महिमा ।

<u>अथवा</u>

२. गृहस्थाश्रमी के विशेष धर्म ।

प्रश्न.४. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **(६ गुण)**

१. बिगडा हुआ आटा देखकर उका खाचर ने क्या किया ?
२. संप्रदाय की पुष्टि किस प्रकार होती है ?
३. ध्यानचिंतामणि के रचयिता कौन है?
४. फईबा महाराज को कैसे समझते थे ?
५. कृतद्युति रानी की अनुपस्थिति में दूसरी रानीओं ने क्या किया ?
६. शास्त्रीजी महाराज मगनभाई के लिए क्या कहते थे ?

प्रश्न.५. निम्नलिखित 'स्वामी की बातें' पूर्ण करके विवरण लिखे । **(५ गुण)**

१. राजा को पानी नहीं दिया.....

<u>अथवा</u>

निम्नलिखित वचनामृत का निरूपण करें।

वचनामृत गढडा प्रथम प्रकरण - ५४

प्रश्न.६. निम्नलिखित वाक्यों में से केवल <u>पाँच</u> सही वाक्य को ढूँढ़कर सिर्फ उसके नंबर लिखे। **(५ गुण)**

प्रसंग :- राजाभाई

१. प्रगट भगवान आपके यहाँ आये हैं । २. मैं त्यागी होने के लिए गढडा जाता हूँ, अब मेरी आशा छोड दे । ३. आप और आपकी पत्नी दोनों धन्य हैं । ४. हमारी इच्छा का वह मान नहीं रखे तो हमारा संसार में रहना निकम्मा है । ५. हमारे मन की वृत्तियों उनकी और खींच जाती है । ६. आजीवन महाराज की आज्ञा, धर्म, नियम आदि का दृढता से पालन करके महाराज को प्रसन्न किया । ७. ब्रह्मादिक देवता महाराज को नमस्कार करके अंतर्धान हो गए । ८. मैं ने भी एसा सोचकर मना किया । ९. तुम्हें हम कहते हैं वह करना है या साधु होना है ? १०. तुम्हारा यह व्रत आज से समाप्त हुआ ।

प्रश्न.७. (अ) निम्नलिखित किन्हीं दो पंक्ति को पूर्ण कीजिए । **(४ गुण)**

१. जयसि त्वं भजत ..... दृष्टि पामी ।

२. स्वामिनारायण नामने ..... तत्काल जाशे ।

३. व्हाला तारा जमणे ..... शशीकला क्षीण छे रे लोल ।

(ब) निम्नलिखित किन्हीं दो को पूर्ण कीजिए । **(४ गुण)**

१. जनमंगल नामावलि में से रिक्त नाम पूर्ण करे ।

सदोन्निद्राय नमः ..... स्वस्वरूपाचलस्थितये नमः ।।

२. धर्मस्थितैरुपणबृहता ..... शरणं प्रपद्ये ।।

३. दृष्टाः स्पृष्टानता ..... सता दुर्लभं स्यान्मुमुक्षोः ।।

(विभाग - २ : गुणातीतानंद स्वामी)

प्रश्न.८. निम्नलिखित विधान कौन, किसे और कब कहता है यह लिखिए । **(६ गुण)**

१. ''मैंने तुझे नहीं कहा था कि तुझे अक्षरधाम दिखाउँगा ।''

२. ''आपकी गाडी के साथ जो बैल जोड दिए गए हैं उसके उपर घूँसरी रख नहीं सकते ।''

३. ''यह भगवान का दिया हुआ कुंवर है, इसलिए उसका नाम हमने भगवत्सिंहजी रखा है ।''

४. ''आपने मेरी बहुत सेवा की ।''

प्रश्न.९. निम्नलिखित में से किन्हीं दो को कारण सहित समझाइए। (दस पंक्ति में) **(६ गुण)**

१. वस्तो बारबार जूनागढ भाग जाता ।

२. नियम में रहोगे तो इस लोक के दु:ख आयेंगे नहीं ।

३. शुकमुनि ने कहा कि म.९ का वचनामृत आज ही यथार्थ समझ लिया ।

४. पीतांबरदास का परिवर्तन हुआ ।

प्रश्न.१०. निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषय पर मुद्दासर नोंध लिखिए। (बारह पंक्ति में) **(८ गुण)**

१. भक्त वत्सल ।

२. एकात्मकता ।

३. अनादि के सेवक ।

४. श्रीजीमहाराज द्वारा समझाई गई सद्गुरु की महिमा ।

प्रश्न.११. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में लिखिए। **(५ गुण)**

१. मुक्तानंद स्वामी ने कुरजी दवे को क्या भेंट दी थी ?

२. स्वामी की बानी किन गुणों का समर्थन करती थी ?

३. बहाउद्दीन स्वामी की दृष्टि से कैसे बन गए ?

४. किसने ब्रह्मभाव प्राप्त किया था ?

५. मावजीभाई ने गुणातीतानंद स्वामी को क्या जिमाया ?

प्रश्न.१२. निम्नलिखित किन्हीं एक प्रसंग का वर्णन करके भावार्थ लिखिए। (बारह पंक्तियों में) **(४ गुण)**

१. स्वामी का सत्संगी ।

२. आज्ञाधारक ।

३. सेवावृत्ति ।

४. तुलसी दवे को समाधि ।

(पृष्ठ पलटिये)

प्रश्न.१३. निम्न विधानों के विकल्पों में से सही विकल्प लिखें । **(६ गुण)**

नोंध : एक विकल्प से ज्यादा (दो और तीन भी) विकल्प सही हो सकते हैं । सभी विकल्प सही होने पर ही गुण दिए जायेंगे । अन्यथा एक भी गुण नहीं दिया जाएगा ।

१. गुणातीतानंद स्वामी द्वारा किया गया जीवन परिवर्तन ।

(अ) सीद्दी वरु ।

(ब) रामसंग बापू ।

(क) मुंजा सूरु ।

(ड) वालेरो वरू ।

२. गुणातीतानंद स्वामी के वचन से अक्षर की निष्ठा ।

(अ) स्वामी वासुदेवचरणदास ।

(ब) घनश्यामदास ।

(क) वाघा खाचर ।

(ड) भाई आत्मानंद स्वामी ।

३. गुणातीतानंद स्वामी की कृपा से नष्ट हुए दोष ।

(अ) ब्रह्मचारी धर्मस्वरूपानंद ।

(ब) पितांबरदास ।

(क) केशवप्रसादजी महाराज ।

(ड) कृपानंद स्वामी ।

(विभाग - ३ : ''सत्संग परिचय'' परीक्षा के पुस्तकों पर आधारित)

प्रश्न.१४. निम्न में से किन्हीं <u>तीन</u> के बारे में २० पंक्तियों में विस्तृत नोंध लिखिये । **(२१ गुण)**

१. भाईओ का मिलन । (सहजानंद चरित्र) **<u>अथवा</u>**

१. समदर्शी । (सहजानंद चरित्र)

२. द्वारिका की गोमती वडताल में । (सहजानंद चरित्र) **<u>अथवा</u>**

२. आचार्य अयोध्याप्रसादजी महाराज । (सत्संग वाचनमाला - २)

३. मुकुंदानंद वर्णी । (सत्संग वाचनमाला - २) **<u>अथवा</u>**

३. प्रेमानंद स्वामी । (सत्संग वाचनमाला - २)

४. लक्ष्मीचंद सेठ । (किशोर सत्संग परिचय) **<u>अथवा</u>**

४. विष्णुदास । (किशोर सत्संग परिचय)

५. परमचैतन्यानंद स्वामी । (किशोर सत्संग परिचय) **<u>अथवा</u>**

५. गुरुवचन पर ही ध्यान । (प्रागजी भक्त)

६. भगतजी के संतों को उपाधि । (प्रागजी भक्त) **<u>अथवा</u>**

६. भगतजी का आकर्षण । (प्रागजी भक्त)

नोंध : इस प्रश्नपत्र में से थोड़े-बहुत (अंशतः) प्रश्न दिनांक १६ फरवरी, २००३ के दिन आनेवाली मुख्य परीक्षा में पूछे जाने की संभावनाए हैं ।

❋ ❋ ❋